ब्रह्मांड का प्रसरण नहीं हो रहा है
आर. एम. सांतिली फाऊंडेशन ने अपने खगोलभौतिकीय प्रयोगों के आधार पर घोषणा की
लगभग तीन दशकों में किये गये शोधों के आधार पर एक लघु–चित्रपट की निर्मिती एवं इसके परिवेश में अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

———————————————————————————————

पाम हार्बर के पी. आर. न्यूजवायर में 10 जून 2013 के एक समाचार में सांतिली के अनुसंधानों की जानकारी प्रसारित की गई है। सांतिली ने सूर्यास्त एवं सूर्योदय के समय होने वाले सूर्य किरणों के आयसोरेडशिफ्ट पर युरोप तथा अमरीका में स्वतंत्र रूप से किए अनुसंधानों द्वारा यह प्रस्थापित किया कि "ब्रह्मांड का प्रसरण होता है" यह धारणा मूलभूत में सही नहीं है। इन अनुसंधानों से निकले निष्कर्षों के आधार पर मध्ययुगीन इस धारणा को भी उन्होंने नकारा है कि "पृथ्वी ब्रह्मांड के केन्द्र में स्थित है"। सांतिली ने उपरोक्त निष्कर्ष 1978 से किए अपने गणितीय सिध्दांतों एवं प्रायोगिक अनुसंधानों के आधार पर निकाले हैं। सांतिली ने यह प्रस्थापित किया है कि जब खमध्य (सूर्य की माध्याह्न स्थिति) से सूर्य प्रकाश क्षितिज तक पहुँचता है तब सूर्य प्रकाश की सभी तरंगें 100 नॅनोमीटर से लाल रंग की ओर स्थलांतरित होती हैं। ऐसा होते समय सूर्य, वातावरण व निरिक्षक इनमें महसूस हो सके या दिखाई दे सके ऐसी सापेक्ष गतिविधी भी होती नहीं है।

इससे यह सिद्ध होता है कि प्रकाश जब शीत माध्यम में आता है तो नयी प्रस्तावित क्रियावली (mechanism) के अनुसार अपनी उष्मा खो देता है जिससे उसकी सभी तरंगों के आंदोलन कम हो जाते हैं जो कि प्रकाश के प्रकीर्णन (scattering) व अवशोषण (absorption) से भिन्न व स्वतंत्र है। इस नए अनुसंधान से यह ज्ञात होता है कि प्रकाश का प्रसरण–संकुचन सब बंधनों से मुक्त एवं स्वतन्त्र होता है।

यह शोध आधारित है पूर्ववर्ती (preceding) खगोल भौतिकीय (ॲस्ट्रोफिसिकल) ऐसी गणनाओं पर जिनसे वह अनुमानित नियम सिद्ध किया जा सके जिसके तहत आकाशगंगीय प्रकाश का वैश्विक रेडशिफ्ट आकाश गंगाओं की पृथ्वी से सभी दिशाओं में बदलती दूरी के अनुपात में होता है और यह रेडशिफ्ट तत्त्वतः आकाशगंगा की सभी प्रकाशीय तरंगों में होता है। इस विषय पर सम्पूर्ण पुष्टिकारक शोध साहित्य http://www.santilli-foundation.org/Confirm-No-Exp.php पर उपलब्ध है। ह्युबल, फ्रिट्झ, डी ब्रॉगली एवं अन्य विख्यात वैज्ञानिकों ने उनके आजीवन कार्यकाल में ब्रह्मांड के प्रसरण को मानने से इंकार किया क्योंकि इससे सहमती हमें वापस उस मध्ययुगीन मान्यता तक ले जाती है जिसके अनुसार पृथ्वी ब्रह्मांड के केंन्द्र में स्थित है। सांतिली का कहना है कि

यह इसलिए है कि इसमें पृथ्वी से सर्व दिशाओं में ब्रह्मांडीय प्रकाश के त्वरण (acceleration) का होना निहित है। यदि इसका विचार किया भी न जाय तो भी ब्रह्मांडीय प्रसरण से जुड़ी अटकलें कई गंभीर कमियों और असंगतियों से पीड़ित हैं। जिनके शिनाख़्त का विस्तृत वर्णन उद्धृत किए वैज्ञानिक साहित्य से हासिल किया जा सकता है।

इस घोषणा के पीछे के शोधकार्य का प्रारम्भ जब सांतिली एमआयटी (1974-1977) और उसके बाद हार्वर्ड विश्वविद्यालय के गणित विभाग (1977-1981) में थे तब किया। जहाँ उन्होंने नए गणित की निर्मिती की जिसे अब "सांतिली का आयसोगणित" के नाम से जाना जाता है। उनके द्वारा किया गया शोधकार्य व आयसोगणित संबंधी अध्ययन ग्रीस स्थित ¬होडेस पॅलेस हॉटेल में आयोजित कार्यशाला में 23 सितम्बर 2013 को किया जायेगा। इस कार्यशाला संबंधी जानकारी तथा ब्रह्मांड के प्रसरण संबंधी की गई घोषणा पर आधारित एक घंटे का लघु–चित्रपट A new Renaissance in cosmology लिंक पर देखा जा सकता है।

पिछले दो दशकों से सांतिली दुनिया की अनेक भौतिकशास्त्रीय प्रयोगशालाओं में आयसोटोपिक नियम (सिध्दांत) के सत्यापन हेतु जब सूर्य खमध्य (सूर्य की माध्याह्न स्थिति) से क्षितिज तक जाता है औार क्षितिज पर सूर्यप्रकाश लाल हो जाता है तब सूर्यप्रकाश के अपेक्षित रेडशिफ्ट का मापन करने की सलाह दे रहे हैं। सन 2010 में उन्होंने आयसोशिफ्ट परीक्षण केन्द्र बनाया। इसमें 60 फीट लम्बी नलिका (tube) में नीले रंग का लेझर प्रकाश प्रारम्भिक निर्वात (vacuum) स्थिति से 1000 psi तक 80° F तापमान में वायुमंडलीय माध्यम से गुजरते समय IRS ½ nm का होता है। इसी केन्द्र पर उसी नीले लेझर प्रकाश को लेकर और अधिक स्वतन्त्र मापन करने पर हवा के लिए IRS की मौजूदगी 80° F से कम पर तथा IBS की मौजूदगी 120° F से अधिक पर प्रमाणित की गई। अलग–अलग प्रकाश तरंगों में आयसोनियम की मौजूदगी को प्रमाणित करने के पश्चात सांतिली ने 2011 के सर्वप्रथम और सर्वश्रुत मापन द्वारा यह प्रस्थापित किया कि सूर्य प्रकाश के सम्पूर्ण वर्णक्रम के लिए 100 nm का IRS होता है।

"अलबर्ट आइन्स्टाईन" इतिहास में वैज्ञानिक परिवेश में सबसे ज्यादा दोहन किए गये वैज्ञानिकों में से एक हैं। क्योंकि उनके सिध्दांतों को निर्वात में गति से लेकर भौतिक माध्यम में गति तक बढाया गया है। आइन्स्टाईन के सिध्दांतों का यह व्यापक विस्तार ऊपर बताए दोनों स्तरों पर हर तरह से भिन्न है। जहाँ तक निर्वात में गति की बात है उनके सिध्दांतों का अलौकिक एवं भव्य सत्यापन किया गया है जिसमें शंका का कोई स्थान नहीं है। परन्तु भौतिक माध्यम में गति की बात अलग है जहाँ वे सिध्दांत उचित तरहा सूत्रबद्ध नहीं किए जा सके, उनका प्रयोगात्मक सत्यापन कर पाना तो दूर क्योंकि इसके लिए रहा

है "इनर्शिअल रेफरन्स फ्रेम" का अभाव, प्रकाश की गति एक स्थिरांक है इसके सत्यापन कर सकने में अक्षमता, तथा और भी दूसरे कारण रहे हैं। सांतिली का कहना है कि – मैं अलबर्ट आइन्स्टाईन का आदर उनकी सूक्तियों (axioms) को जैसी हैं वैसी ही बनाये रखते हुए करता हूँ और ऐसा करने के लिए आयसोगणित मुझे अनुमति देता है। भौतिक माध्यम में प्रकाश की गति के लिए मैं व्यापक सूत्रों का प्रयोग करता हूँ। इस तरह ऊपरी तौर पर विसंगति तो जान पड़ती है, फिर भी मैं उनका सम्मान ही करता हूँ।

हाल ही में सांतिली द्वारा किए गए मापन और गणनाओं का सुनियोजित व स्वतन्त्र प्रयोगों द्वारा सत्यापन किया गया है। युरोप व अमरीका में सूर्यास्त व सूर्योदय दोनों ही समय परीक्षण व मापन करके यह पाया गया कि 100 nm का IRS सूर्य प्रकाश के खमध्य (सूर्य की माध्याह्न स्थिति) से क्षितिज तक अवस्थांतर के दौरान होता है। इससे यह सिद्ध होता है कि ब्रह्मांड का प्रसरण नहीं हो रहा है। यदि 'बिग बँग' हुआ होता तो सांतिली के अनुसार ऊर्जा का पुनर्निर्माण होना चाहिए क्योंकि इसके लिए "इन्टर गॅलेक्टिक मिडिया" "बॅकग्राऊंड रेडिएशन" का काम करता है जो "बिग बँग" के निर्माण के समय बॅकग्राऊंड रेडिएशन होना चाहिए और उसे ब्रह्मांड ने अरबों वर्षों पूर्व सोख लिया होता।

आर. एम. सांतिली फाऊंडेशन –

आर. एम. सांतिली फाऊंडेशन संस्था सांतिली तथा सांतिली के शोध संबंधी समर्पण को प्रोत्साहन देने वाली संस्था है। इस संस्था को उन संस्थाओं से आर्थिक मदद मिलती है जो आज सांतिली के शोध का औद्योगिक प्रक्रिया में उपयोग करते हैं। जैसे–इन्टिटयूट ऑफ बेसिक रिसर्च। इसके अलावा जिन्हें वैज्ञानिकता के आधार पर मानव कल्याण के लिए प्रयत्न करने की चाह है ऐसे फिलांन्थ्रॉफिक व्यक्ति भी इनकी मदद करते हैं। सांतिली फाऊंडेशन के संचालक मंडल में पाँच नामी वैज्ञानिक एवं फिलांथ्रॉपिस्ट का समावेश है। सांतिली फाऊंडेशन द्वारा किए गए कार्यों की समस्त जिम्मेदारी संचालक मंडल की होती है। संचालक मंडल संबंधी अधिक जानकारी के लिए निम्न पते पर सम्पर्क किया जा सकता है :–

CONTACT:
Alison Crisci
1-212-896-1252
acrisci@kcsa.com

SOURCE R.M. Santilli Foundation

RELATED LINKS
http://santilli-foundation.org